3602

B.A. (Third Year) Examination, 2016

RAJASTHANI SAHITYA

Paper–II

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड–अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड–ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड–स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई–I

(i) मीराबाई का विवाह किसके साथ हुआ?

(ii) मीराबाई के पद कौन–कौन सी भाषाओं में मिलते हैं?

इकाई–II

(iii) कवि हेमरतन की रचना का नाम लिखिए।

(iv) पद्मिनी कहाँ की राजकुमारी थी?

इकाई–III

(v) 'द्रौपदी–विनय' के रचनाकार कौन हैं?

(vi) 'द्रौपदी–विनय' में कितने पद हैं?

इकाई–IV

(vii) ''रामत चौपड़ राजा री, है धिक बार हजार'' यह पंक्ति द्रौपदी ने किस संबोधित करते हुए कही है?

(viii) ''मीरां वृहत पदावली भाग प्रथम'' के संपादक और प्रकाशक कौन हैं?

इकाई–V

(ix) दूहा छंद में कितने चरण होते हैं?

(x) दूहा छंद में कितनी मात्राएँ होती हैं?

खण्ड-ब

इकाई-I

2. ''मीरा के पदों में भक्ति और शृंगार का अद्‌भुद संयोग है।'' उक्त कथन की समीक्षा कीजिए।

3. ''मीरां वृहत पदावली भाग प्रथम'' में अभिव्यक्त मीरा की विरह वेदना को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-II

4. ''गोरा बादल चरित चउपई'' काव्य के भाव पक्ष का मूल्यांकन कीजिए।

5. पद्‌मिनी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

इकाई-III

6. 'द्रौपदी-विनय' काव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र चित्रण कीजिए।

7. 'द्रौपदी-विनय' में चित्रित कृष्ण की मनःस्थिति पर प्रकाश डालिए।

इकाई-IV

8. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

चित्त में दुस्त कुचाव, औ निल्लज लायौ अठै।

अब गिरधर झट आव, साय करण नै सांवरा।।

होय सभा हमगीर, दुय हाथां खैंचै दुसट।

चल्यौ पुराणों चीर, सिर सूं चाल्यौ सांवरा।।

9. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

थांनै कांई कांई कह समझाऊँ म्हारा बाल्हा गिरधारी।

पूरब जनम की प्रीति हमारी, अब नहीं जात निबारी।।

सुंदर बदन जोवते सजनी, प्रीति भई है भारी।

म्हारै घरां पधारो गिरिधर, मंगल गावै नारी।

मोती चोक पुराऊँ बाल्हा, तन मन तो पर वारी।

म्हारो सगपन तोसूं सांवलिया, जग से नहीं बिचारी।

इकाई-V

10. सोरठीये दूहा छंद को उदाहरण सहित समझाइये।

11. तूम्बैरी दूहा छंद को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-स

12. दूहा छंद के भेदों के लक्षण सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

13. रतनसेन का चरित्र चित्रण उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

14. ''द्रौपदी-विनय में करुणा की मार्मिक अभिव्यक्ति हुई है।'' उक्त कथन की समीक्षा कीजिए

15. मीरा के जीवन और उनके संघर्षों पर प्रकाश डालिए।